

सहस्राब्दि विकास लक्ष्य

सहस्राब्दि विकास लक्ष्य

विकास क्या है?

विकास या जिसे हम मानव विकास भी कहते हैं, वह उन जैविक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों को संदर्भित करता है जो मनुष्य के जन्म और किशोरावस्था के अंत के बीच होते हैं क्योंकि एक व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न चरणों में आगे बढ़ता है। आमतौर पर आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारक विकास के दौरान इन विकास परिवर्तनों को प्रभावित करते हैं। विकास का तात्पर्य जन्म से किशोरावस्था तक बच्चों के विकास से है।

परिचय

संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक नेताओं ने न्यूयॉर्क शहर में स्थित संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में मुलाकात की। उनकी बैठक का उद्देश्य वर्ष 2000 के बाद से शुरू होने वाले नए युग के दौरान संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर चर्चा करना था।

6 सितंबर से शुरू होकर यह बैठक तीन दिनों तक चली।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव श्री कोफी अन्नान ने शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया।

MGDs संयुक्त राष्ट्र के 191 सदस्य देशों द्वारा 2015 तक प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्यों का एक समूह है। इन लक्ष्यों पर पहली बार सितंबर 2000 में हस्ताक्षर किया गया था। हस्ताक्षर करने के बाद से, इसमें कई हस्तक्षेप हुए हैं।

लक्ष्य हैं:

1. अत्यधिक भूख और गरीबी का उन्मूलन
2. सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा हासिल करना
3. लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और महिलाओं को सशक्त बनाना
4. बाल मृत्यु दर कम करना
5. मातृ स्वास्थ्य में सुधार लाना
6. HIV / AIDS, मलेरिया और अन्य बीमारियाँ के खिलाफ लड़ना

7. पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना
8. विकास के लिए एक वैश्विक साझेदारी को विकसित करना

इन आठ लक्ष्यों को 21 लक्ष्यों के द्वारा मापा जाता है। प्रत्येक लक्ष्य को वर्ष 2015 तक प्राप्त करने के लिए एक निर्धारित समय सीमा रखी है।

सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (MDG) की आवश्यकता

MDG सहस्राब्दी समिट का परिणाम है। यह पहचानने के बारे में एक पराकाष्ठा थी कि प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा होती है और इसलिए उसे मिलना चाहिए:

- स्वतंत्रता का अधिकार।
- समानता
- जीवन जीने के बुनियादी मानक
- भूख से मुक्ति
- हिंसा से मुक्ति
- सहिष्णुता और एकजुटता

MDG के संरक्षक

- सहस्राब्दी शिखर सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा हस्ताक्षरित रिपोर्ट का एक परिणाम था। जिस रिपोर्ट का शीर्षक था: "हम लोग: इक्कीसवीं सदी में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका।"
- सहस्राब्दी मंच को 1000 से अधिक गैर-सरकारी संगठन और सौ से अधिक देशों के नागरिक समाज संगठन से साझा किया। दो वर्ष की अवधि में की गई सलाह को मजबूत करने के लिए वे मई 2000 में मिले। परामर्श के विषय गरीबी उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, मानव अधिकारों और कमजोर लोगों की सुरक्षा थे।
- ब्राहिमी रिपोर्ट पर 1990 के दशक में संयुक्त राष्ट्र की कई परामर्श सभा और सम्मेलनों की श्रृंखला हुई।

- आर्थिक सहयोग और विकास संगठन के विचार, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने मिलकर एमडीजी का गठन किया।

MDG के लिए साझेदार एजेंसियों
UNDP
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
मिलेनियम अभियान
UNDESA
- संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग
विश्व बैंक
UNICEF
- संयुक्त राष्ट्र बाल कोष
UNEP
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
UNFPA
- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष
WHO
- विश्व स्वास्थ्य संगठन
IMF
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
UN-HABITAT

- संयुक्त राष्ट्र मानव बस्तियों कार्यक्रम
FAO
- खाद्य और कृषि संगठन
IFAD
- कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष
ILO
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
ITC
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र
ITU
- अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ
UNAIDS
- एचआईवी / एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम
UNCTAD
- व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन
UNDG
- संयुक्त राष्ट्र विकास समूह
खेल के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय विकास और शांति के लिए

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
- UNESCO
UNHCR
- संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी
UNIDO
- संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन
संयुक्त राष्ट्र महिलाएं
- लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई
OHCHR
- मानवाधिकार के लिए उच्चायुक्त का कार्यालय
UNRWA
- संयुक्त राष्ट्र राहत और वक्स एजेंसी फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए निकट पूर्व में
WFP
- विश्व खाद्य कार्यक्रम
WMO
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन

WTO
- विश्व व्यापार संगठन
UNWTO
- विश्व पर्यटन संगठन
UNOSDP

MDG के लक्ष्य

MDG में आठ लक्ष्यों को निर्धारित किया है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित प्रत्येक लक्ष्य की प्रगति को भी लक्ष्यों के द्वारा मापा जाता है।

फलतः, जो आठ मुख्य लक्ष्य है वो लगभग 21 लक्ष्यों में फैले हुए हैं।

लक्ष्य 1	गरीबी और भुखमरी को हटाना		<ul style="list-style-type: none"> • मध्याह्न भोजन योजना • खाद्य सुरक्षा अधिनियम • मिशन अन्तयोदय • पोषण अभियान • हरित क्रांति
लक्ष्य 2	सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा हासिल करें		<ul style="list-style-type: none"> • सर्व शिक्षा अभियान • राष्ट्रीय उचाचार शिक्षा अभियान • शिक्षा का अधिकार अधिनियम • राज्य के नीति-निर्देशक तत्व • मौलिक अधिकार

लक्ष्य 3	लैंगिक समानता और नारी शशक्तिकरण		<ul style="list-style-type: none"> संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण नौकरियों में आरक्षण बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना जननी सुरक्षा योजना
लक्ष्य 4	शिशु मृत्यु दर को कम करना		<ul style="list-style-type: none"> टीकाकरण जननी सुरक्षा योजना शिशु सुरक्षा योजना
लक्ष्य 5	मातृ स्वास्थ्य में सुधार		<ul style="list-style-type: none"> सबला प्रियदर्शिनी राष्ट्रीय महिला कोष
लक्ष्य 6	एचआईवी / एड्स, मलेरिया, और अन्य बीमारियों का मुकाबला करे		<ul style="list-style-type: none"> NACP NMCP राष्ट्रीय वेक्टर रोग नियंत्रण कार्यक्रम

लक्ष्य 7	पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करें		<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय सौर मिशन NAPCC PAHAL सब्सिडी DDUGJY
लक्ष्य 8	विकसित करने के लिए एक वैश्विक साझेदारी विकसित करना		<ul style="list-style-type: none"> विकासात्मक ऋण संयुक्त राष्ट्र की योजनाओं को लागू करने के लिए नीतियां देशों को तकनीकी सहायता।

लक्ष्य 1: अत्यधिक गरीबी और भूख को मिटाना

-1990 और 2015 के बीच, प्रति दिन 1.25 डॉलर से कम पर रहने वाले लोगों की संख्या को आधा करना

-महिलाओं, पुरुषों और युवाओं के लिए बेहतर रोजगार और काम प्राप्त करना।

-1990 से 2015 के बीच, अत्यधिक भूख से पीड़ित लोगों की संख्या को आधा करना।

लक्ष्य 2: सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करना

- 2015 तक, सभी बच्चों (लड़किया और लड़के) को प्राथमिक शिक्षा/प्राथमिक स्कूली शिक्षा का कोर्स पूरा करने में सक्षम होना चाहिए ।

लक्ष्य 3: लैंगिक समानता और नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देना

- प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा स्तर पर अधिमानत 2005 तक लैंगिक असमानता को समाप्त करना और 2015 तक सभी स्तरों पर समाप्त करना।

लक्ष्य 4: बाल मृत्यु दर को कम करना

- 1990 और 2015 के बीच शिशु मृत्यु दर (IMR) को दो-तिहाई तक कम करना, विशेष रूप से पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर।

लक्ष्य 5: मातृ स्वास्थ्य में सुधार करना

- 1990 और 2015 के बीच, मातृ मृत्यु दर को तीन-चौथाई तक कम करना।
- 2015 तक प्रजनन स्वास्थ्य के लिए सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करना।

लक्ष्य 6: HIV / एड्स, मलेरिया और अन्य बीमारियों का मुकाबला करना

- 2015 तक पूर्णरूप से समाप्त करना और HIV/एड्स के प्रसार को कम करना
- 2012 तक, उन सभी लोगों के लिए एचआईवी / एड्स के इलाज की सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करना
- 2015 तक पूर्णरूप से समाप्त करना और मलेरिया एवं अन्य प्रमुख बीमारियों की घटनाओं को कम करना

लक्ष्य 7: पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना

- पर्यावरण संसाधनों की हानि की भरपाई करने के लिए देश की घरेलू नीतियों और कार्यक्रमों में सतत विकास के सिद्धांतों को एकीकृत करना।
- जैव विविधता के नुकसान को कम करने का प्रयास करें और वर्ष 2010 तक नुकसान की दर में सार्थक कमी हासिल करने का प्रयास करना।
- 2010 तक जैव विविधता के नुकसान को कम करने और प्राप्त करने का प्रयास करें, नुकसान की दर में एक महत्वपूर्ण कमी
- 2015 तक, आबादी की संख्या जो सुरक्षित पेयजल और बुनियादी स्वच्छता सुविधाओं से वंचित है को आधा करना।
- 2020 तक, कम से कम 100 मिलियन झुग्गी-झोपड़ियों वाले लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण सुधार हासिल करना

लक्ष्य 8: विकास के लिए वैश्विक साझेदारी विकसित करना

- एक और अधिक खुला, नियम आधारित, पूर्वानुमानित, गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार और वित्तीय प्रणाली विकसित करना

- कम विकसित राष्ट्रों (LDCs) की विशेष आवश्यकताओं को संबोधित करना

- स्थलसीमा से घिरे विकासशील देशों, छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों की विशेष आवश्यकताओं को संबोधित करते हैं, जिन्हें SIDS भी कहा जाता है।

- ऋण को चिरस्थायी बनाने के लिए विकासशील देशों की ऋण समस्याओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपायों के माध्यम से व्यापक रूप से निपटना।

- औषधि निर्माण संबंधी कंपनियों के साथ सहयोग करके, विकासशील देशों में सस्ती, आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं को पहुंचना, इस प्रकार बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल सार्वभौमिक बना सकती है।

- निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करके, पूरी दुनिया के लिए नई प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से सूचना और संचार के लाभों को उपलब्ध कराना।

MDG के संबंध में भारत की स्थिति!

लक्ष्य 1: अत्यधिक गरीबी और भूख को मिटाना

भारत ने गरीबी को आधे से कम करके लक्ष्य प्राप्त किया है, लेकिन परिणाम असमान है। ग्रामीण गरीबी शहरी गरीबी से दोगुनी है। जो निम्न लोगों में और ज्यादा है- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला प्रमुख घर, धार्मिक अल्पसंख्यक।

भारत सरकार के कार्यक्रम जैसे मध्याह्न भोजन योजना, खाद्य सुरक्षा अधिनियम, अंत्योदय ने भूख को मिटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस तथ्य के बावजूद कि विश्व के एक-चौथाई कुपोषित लोग, एक-तिहाई कम वजन वाले बच्चे और दुनिया के एक तिहाई खाद्य असुरक्षित लोगों भारत में रहते हैं।

लक्ष्य 2: सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा हासिल करना

86 वें संवैधानिक संशोधन (शिक्षा का अधिकार) के अधिनियमन के बावजूद, अभी भी छात्रों का एक बड़ा हिस्सा स्कूल से दूर है। यहां तक कि अगर वे स्कूल में दाखिला लेते भी हैं, तो छात्रों के बीच पढ़ाई छोड़ देने वालों की दरें बहुत अधिक हैं। शिक्षा की गुणवत्ता एक और प्रमुख चिंता का विषय है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारतीय प्रदर्शन इस क्षेत्र में काफी निराशाजनक है।

लक्ष्य 3: लैंगिक समानता और नारी शशक्तिकरण

भारत शैक्षिक स्तर पर लैंगिक समानता को प्राप्त करने के रास्ते पर है, लेकिन महिलाओं की साक्षरता दर पुरुषों के समकक्ष पीछे है, यह दर्शाता है कि महिलाएं बहुत पीछे हैं और उनके पास अवसर भी कम हैं।

भारत में महिलाओं के पास सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सशक्तिकरण का अभाव है। कृषि क्षेत्र के बाहर काम करने वाली महिलाओं की संख्या बहुत कम है।

लक्ष्य 4: शिशु मृत्यु दर को काम करना

MDG में उल्लिखित बाल मृत्यु दर के लक्ष्य को प्राप्त करने में भारत बहुत पीछे है। एमडीजी के समाप्त होने के समय तक भारत ने 1990 की बाल मृत्यु दर को 125 से घटाकर 42 कर दिया था। शिशु मृत्यु दर को लगभग 80 (1990) से 40 (2015) तक लाया गया। हालांकि 1990 के स्तर के लगभग 2/3 के स्तर तक इसे कम करने के लक्ष्य से काफी पीछे रह गया।

लक्ष्य 5: मातृ स्वास्थ्य में सुधार

देश मातृ मृत्यु दर लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल रहा। जैसा कि मातृ मृत्यु दर 437 (1,00,000 प्रति मृत्यु) से 109 तक लाने का लक्ष्य था। यह 187 तक पहुंचने में सक्षम हुआ।

लक्ष्य 6: एच आई वी और मलेरिया को खत्म करना

भारत ने इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक सराहनीय कार्य किया। परिणामस्वरूप, एचआईवी की दर में काफी कमी आई है, और स्वास्थ्य सेवाओं में भी काफी सुधार हुआ है।

लक्ष्य 7: पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करें

भारत इस मोर्चे पर हमेशा से अग्रणी रहा है। वन आवरण लगातार बढ़ रहा है। जैव विविधता की रक्षा के लिए कई पहल की गई हैं। हालांकि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की श्रेणी में, भारत अन्य विकसित देशों के साथ तेजी से पकड़ बना रहा है।

लक्ष्य 8: विकसित होने के लिए एक वैश्विक साझेदारी विकसित करना

भारत विकास की राह पर अन्य देशों की अगुवाई करने के मामले में एक मशालची रहा है।

यह विभिन्न वित्तीय सहायता और ऋण के रूप में कम विकसित देशों को सहयोग और सहायता भी करता है।

gradeup

MILLENNIUM DEVELOPMENT GOALS

What is Development?

Development or what we call as human development refers to the biological and psychological changes that occur in human beings between birth and the end of the adolescent period as the individual progresses through the various stages of his/ her life. The genetic and environmental factors usually influence these development changes during development. Growth refers to the development of children from birth to adolescence.

Introduction

The world leaders of the UN met at the United Nation's headquarters situated in New York city. The purpose of their meeting was to discuss the role of the United Nations during the new era about to begin post-2000.

The meeting lasted for three days, starting from 6th of September.

Mr Kofi Annan, the Secretary-General of the United Nations inaugurated the summit.

The MDGs are a set of goals to be achieved by 2015 by the 191 member countries of the UN. These goals were first signed in September 2000. Since its signing, it has had multiple interventions.

The goals are:

1. Eradicate extreme hunger and poverty
2. Achieve universal primary education
3. Promote gender equality and empower women
4. Reduce child mortality
5. Improve maternal health
6. Combat HIV/AIDS, malaria and other diseases
7. Ensure environmental sustainability
8. Develop a global partnership for development

The eight goals are measured over 21 targets. Each goal has a set deadline to be achieved by the year 2015.

NEED FOR MDG'S?

The MDGs were a result of the Millennium Summit. It was a culmination about recognizing that every individual has dignity and hence:

- The right to freedom.
- Equality
- A basic standard of living
- Freedom from hunger
- Freedom from violence
- Tolerance and solidarity

PRECURSERS TO THE MDG's

- The Millennial Summit was a result of the report signed by the then General Secretary of the UN. The report titled "**We the Peoples: The Role of the United Nations in the Twenty-First Century.**"
- Inputs from the Millennium Forum - over 1000 non-governmental organizations and civil society organizations from more than a hundred countries. They met in May 2000 to consolidate the consultancy carried out through two years. The areas of consultancy were poverty eradication, environmental protection, human rights and protection of the vulnerable.
- A series of conclaves and conferences of the UN through the 1990s on The Brahimi report.
- Ideas from the Organisation for Economic Co-operation and Development, the International Monetary Fund and World Bank together combined to form the MDGs.

PARTNER AGENCIES FOR THE MDG'S
UNDP
- United Nations Development Programme
Millennium Campaign
UNDESA
- UN Department of Economic & Social Affairs
World Bank
UNICEF
- UN Children's Fund
UNICEF
- UN Children's Fund
UNEP
- UN Environment Programme
UNFPA
- UN Population Fund
WHO
- World Health Organization
IMF
-International Monetary Fund
UN-HABITAT
- UN Human Settlements Programme
FAO
- Food & Agriculture Organization
IFAD
- International Fund for Agricultural Development
ILO
- International Labour Organization
ITC
- International Trade Centre
ITU
- International Telecommunications Union
UNAIDS
- Joint UN Programme on HIV/AIDS

UNCTAD
- UN Conference on Trade and Development
UNDG
- UN Development Group
The UN Office on Sport for Development and Peace
UN Educational, Scientific and Cultural Organization
- UNESCO
UNHCR
- UN Refugee Agency
UNIDO
- UN Industrial Development Organization
UN Women
- UN Entity for Gender Equality and the Empowerment of Women
OHCHR
- The Office of the High Commissioner for Human Rights
UNRWA
- UN Relief and Works Agency for Palestine Refugees in the Near East
WFP
- World Food Programme
WMO
- World Meteorological Organization
WTO
- World Trade Organization
UNWTO
- World Tourism Organization
UNOSDP

GOALS AND TARGETS!

In the MDG, there are eight goals set and under each of the goals set by the UN, the measure of progress is done over targets.

Consequently, there are around 21 targets which are spread across the eight goals.

GOAL 1	<p>Eradicate extreme poverty and hunger</p> <p>गरीबी और भुखमरी को हटाना</p>		<ul style="list-style-type: none"> • MID DAY MEAL Scheme • Food security act • Mission Antayodaya • POSHAN Abhiyan • Green Revolution
GOAL 2	<p>Achieve universal primary education</p> <p>सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा</p>		<ul style="list-style-type: none"> • SSA • RUSA • Right to Education Act • DPSP's • Fundamental Right
GOAL 3	<p>Promote gender equality and empower women</p> <p>लैंगिक समानता और नारी शशक्तिकरण</p>		<ul style="list-style-type: none"> • Reservation for women in Parliament • Reservation in jobs • Beti bachao- Beti Padhao scheme • Janani Suraksha Yojna
GOAL 4	<p>Reduce child mortality rates</p> <p>शिशु मृत्यु दर को काम करना</p>		<ul style="list-style-type: none"> • Vaccinations • Janani Suraksha Yojna • Shishu Suraksha Yojana

<p>GOAL 5</p>	<p>Improve maternal health</p> <p>मातृ स्वास्थ्य में सुधार</p>		<ul style="list-style-type: none"> • SABLA • Priyadarshini • Rashtriya Mahila Kosh
<p>GOAL 6</p>	<p>Combat HIV/AIDS, malaria, and other diseases</p> <p>एच आई वी और मलेरिया को खतम करना</p>		<ul style="list-style-type: none"> • NACP • NMCP • National Vector disease control program
<p>GOAL 7</p>	<p>Ensure environmental sustainability</p> <p>पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करें</p>		<ul style="list-style-type: none"> • National solar Mission • NAPCC • PAHAL Subsidy • DDUGJY
<p>GOAL 8</p>	<p>Develop a global partnership for development</p> <p>विकसित करने के लिए एक वैश्विक साझेदारी विकसित करना</p>		<ul style="list-style-type: none"> • Developmental loans • Policies for implementing UN schemes • Technical aid to the countries.

Goal 1: Eradicate extreme poverty and hunger

- To reduce to halve, between 1990 and 2015, the proportion of people living on less than \$1.25 a day
- Achieve Decent Employment and work for Women, Men, and Young People

Halve, between 1990 and 2015, the number of people suffering from extreme hunger

Goal 2: Achieve universal primary education

- By 2015, all children should be able to complete a full course of Primary education/primary schooling, girls and boys

Goal 3: Promote gender equality and empowerment of the women

- To eliminate the gender disparity in primary and secondary education preferably by 2005, and at all levels by 2015

Goal 4: Reduce child mortality rates

- Reduce the IMR by two-thirds, between 1990 and 2015, specially the under-five mortality rate

Goal 5: To improve the maternal health

- To reduce by three-quarters, between the years 1990 and 2015, the maternal mortality ratio
- To achieve universal access to reproductive health by 2015.

Goal 6: Combat HIV/AIDS, malaria, and other diseases

- Have halted by 2015 and has begun to reverse the spread of HIV/AIDS
- By 2012, achieve, universal access to treatment for HIV/AIDS for all those who need it
- Have halted by 2015 and has begun to reverse the incidence of malaria and other major diseases

Goal 7: Ensure environmental sustainability

- Integrating the principles of sustainable development into country's domestic policies and programs at the same time to reverse the loss of environmental resources
- Try to reduce biodiversity loss and try achieving, by 2010, a significant reduction in the rate of loss
- Halve, by 2015, the proportion of the population who are without sustainable access to safe drinking water and basic sanitation facilities.
- By 2020, to have achieved a significant improvement in the lives of at least 100 million slum-dwellers

Goal 8: Develop a global partnership for development

- To develop further an open, rule-based, predictable, non-discriminatory trading and financial system
- Addressing the Special Needs of the Least Developed Nations (LDCs)
- Address the special needs of landlocked developing countries and small island developing States, also called SIDS.

- To deal comprehensively with the debt problems of developing countries through national and international measures in order to make debt sustainable.
- In co-operation with pharmaceutical companies, provide access to affordable, essential and life-saving drugs in the developing countries, thus universalising the basic health care.
- In co-operation with the private sector, to make available the benefits of new technologies, especially information and communications to the entire world.

POSITION OF INDIA REGARDING THE MDG's!

GOAL 1: ERADICATE EXTREME POVERTY AND HUNGER

India has achieved the target by reducing poverty by half, but result is uneven. Rural poverty is twice the urban poverty. Which is further high among- SC, ST, female head household, religious minorities.

Indian govt program like MID DAY MEAL Scheme, food security act, antyodaya have played a significant role in eradicating hunger. Despite the fact that India remains a home for one-quarter of the world's undernourished, also one third of world's underweight children and one-third world's food-insecure people.

GOAL 2: ACHIEVE UNIVERSAL PRIMARY EDUCATION

Despite the enactment of the 86th constitutional amendment (right to education), RTE act, still, a chunk of student remains out of school. Even if they enrol to the school, the drop-out rates is too high among the students. Quality of education is another major concern. As per the latest data, Indian performance is quite a disappointment in this respect.

GOAL 3: PROMOTE GENDER EQUALITY AND EMPOWER WOMEN

India was on track to achieve gender parity at educational level, but the literacy rate of women lack behind their male counterpart, showing the women lies far behind and has lesser opportunities.

Women in India lack social, political and economic empowerment. the proportion of women working outside agriculture sector is very low.

GOAL 4: REDUCE CHILD MORTALITY

India likely fell short in achieving child mortality target mentioned in the MDG's. India had reduced child mortality from 125 in 1990 to 42 by the time MDG's were about to end. The infant mortality rate was brought to around 80 (1990) to 40 (2015). Though lagged far behind the target to reduce it at a level of around 2/3 of 1990 level.

GOAL 5: REDUCE MATERNAL MORTALITY

The country failed to achieve maternal mortality target. As the target was to bring the maternal mortality from 437(deaths per 1,00,000) to 109. It was able to reach 187.

GOAL 6: COMBAT HIV/AIDS, MALARIA

India did a commendable job to achieve these goals. As a result, the HIV rates have had significantly decreased, and health services have improved considerably as well.

GOAL 7: ENSURE ENVIRONMENTAL SUSTAINABILITY

India has always been a forerunner on this front. The forest cover is on a continuous increase. There has been an ample number of initiatives taken to protect the biodiversity. Though on the rank of emitting the Greenhouse gases, India is catching up fast with the other developed countries.

GOAL 8: DEVELOP A GLOBAL PARTNERSHIP FOR DEVELOPMENT

India has been a torchbearer in terms of leading other countries on the path to development.

It also cooperates and assists the less developed countries in the form of various financial assistance and loans.

gradeup